

लज्जित वि. (तत्.) जो लजाया हुआ हो, जो अपने कार्य या व्यवहार के कारण शर्मिन्दगी अनुभव कर रहा हो, शर्माया हुआ।

लट स्त्री. (तत्.) 1. माथे या गालों पर लटकता हुआ सिर के बालों का गुच्छा, जुल्फ, अलक 2. लटकते हुए लंबे बाल, केशपाश 3. वेणी 4. चोटी।

लटक स्त्री. (देश.) 1. लटकने की क्रिया, भाव, लटकन 2. लचक, झुकाव 3. अंगों की मनोहर चेष्टा, अंगभंगी 4. चलते हुए कमर की लचक 5. सुन्दर चाल, मस्ती, इतराने की चाल 6. बातचीत, गायन या नृत्य में दिखने वाली भाव-भंगिमा पुं. 7. ठग 8. दुष्ट व्यक्ति 9. अचानक उठने वाली मानसिक तरंग 10. विशेष भावपूर्ण मुद्रा।

लटकन पुं. (देश.) 1. लटकने की क्रिया, भाव 2. नीचे की ओर झूलना 3. लटकने वाली चीज, लटक 4. छत इत्यादि में लटकने वाली चीज 5. झूमते हुए चलने की सुंदर चाल 6. नाक में पहनने का एक आभूषण, नकमोती 7. कलगी में लगा रत्नों का गुच्छा जो माथे पर हिलता-डुलता रहता है 8. एक पेड़ जिसके बीजों से बढिया गेरुआ रंग निकलता है 9. पुरा. उत्खनन में प्राप्त गले के हार तथा कमर की मेखला को सजाने के लिए बनी लटकाने वाली धातु, पाषाण, मिट्टी की बनी वस्तुएं।

लटकना अ.क्रि. (देश.) 1. ऊंचे स्थान से नीचे की ओर झूलना 2. अधर में बने रहना, टंगना 3. दुविधा या अनिर्णय की स्थिति में रहना जैसे- अदालत में मामला लटक गया 4. उलझना, रुक जाना 5. किसी काम का काफी समय तक रुक जाना या उस पर कोई कार्रवाई न करने की स्थिति 6. आगे प्रगति न होना जैसे- वह कक्षा में अनुत्तीर्ण होने से उसी कक्षा में लटका रह गया 7. किसी के आसरे में पड़े रहना।

लटकवाना स.क्रि. (देश.) लटकाने का काम किसी अन्य से करवाना।

लटकौवा वि. (देश.) लटकने वाला, जो लटकता हो, लटकाया जाने वाला।

लटजीरा पुं. (देश.) 1. अपामार्ग, चिंचड़ा 2. एक प्रकार का धान जिसे जड़हन कहते हैं और इसे अगहन मास में काटा जाता है।

लटना अ.क्रि. (तद्.) 1. थक कर गिर जाना, लड़खड़ाना 2. अशक्त होना, कमजोर होना, शक्ति या उत्साह से रहित होना 3. व्याकुल होना 4. ललचाना, चाह करना, लुभाना 5. प्रेमपूर्वक तत्पर होना, लीन होना।

लटपट/लटपटा वि. (देश.) 1. अस्त व्यस्त, शिथिल, अव्यवस्थित 2. तुच्छ, हीन 3. जो शब्द स्पष्ट या ठीक क्रम से न निकले, टूटाफूटा 4. मला-दला हुआ (कपड़ा आदि), शिकन या सिलवट पड़ा 5. लटपटाने की अवस्था, भाव 6. बुरे उद्देश्य के लिए होने वाला नया मेल-जोल।

लटपटी वि. (स्त्री.) (देश.) 1. लटपटा का स्त्री रूप 2. अस्तव्यस्त, अव्यवस्थित।

लटरी स्त्री. (देश.) खेतों में अन्य अनाजों के पौधों के साथ उत्पन्न होने वाला एक पौधा, घास जिसके बीजों को प्रायः सामान्य लोग दाल के रूप में प्रयुक्त करते हैं, खेसरी, चटरी-मटरी दुबिया मटर।

लटुक पुं. (देश.) लकुट, लाठी, छड़ी।

लटुरी स्त्री. (देश.) सिर के बालों का लटकता हुआ गुच्छा, केश, अलक, लट।

लटूषक स्त्री. (तद्.) बुलबुल जैसी एक चिड़िया जिसका सिर बड़ा होता है चोंच टेढ़ी और कठोर होती है, आंखों पर मोटा लंबा काजल जैसा लगा होता है, कत्थई पीठ होती है, इसे पचनक लहटोरा या काजल लटोरा भी कहते हैं।

लटोरा पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का छोटा वृक्ष जिसके फलों में लसदार गूदा होता है 2. एक प्रकार का पक्षी।

लट्ठ पुं. (तद्.) 1. एक गोलाकार खिलौना जिसके बीच में कील लगी होती है जिसमें सुतली लपेटकर झटके से खींचने पर वह तेजी से घूमने लगता है 2. लट्ठ की तरह नाचने वाला कोई